बरेली, बुधवार
14 जुलाई, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 16

दैनिक जागरण

PAGE NO. 01 : BOTTOM

मंच पर दिखी महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच

जासं, बरेली: शहर स्थित एसआरएमएस रिद्धिमा में मंगलवार को 'ढर्रा' नाटक का मंचन किया गया। रंग कर्मियों ने अपनी कला से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। निर्देशक अंबुज कुकरेती ने कलाकारों के जरिये आज के समय में महिलाओं के प्रति पुरुषों की सोच को प्रदर्शित किया। दर्शाया कि महिलाएं घर में हों या बाहर, हर जगह प्रताड़ित की जाती हैं।

डा.तारिक महमूद द्वारा लिखित नाटक 'ढर्रा' आम आदमी के जीवन पर आधारित रहा। इसकी कहानी भ्रष्ट दारोगा, उसकी पत्नी और बेटे सुरेश के इर्दगिर्द घूमती है। आटो चलाने की बात को लेकर दारोगा बेटे सुरेश और पत्नी को आए दिन मारता है। एक दिन तीन लड़के शराब के नशे में सुरेश के आटो पर सवार होते हैं। गंतव्य तक पहुंचने पर उसके पैसे नहीं देते हैं। नसीब को कोसता हुआ सुरेश आगे बढ़ जाता है। जहां एक रोती हुई लड़की उसके आटो पर

एसआरएमएस रिद्धिमा में 'ढर्रा' नाटक का मंचन करते कलाकार ● सौ.एसआरएमएस

सवार होती है। सुरेश उससे रोने का कारण पूछता है तो वह उसे फटकार देती है। अब तक नसीब को कोस रहे सुरेश के अंदर का जानवर जाग जाता है और वह उस लड़की के साथ दुष्कर्म करता है। यह पूरी कहानी आज के युवाओं की मानसिकता को दर्शाती है।

एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देवमूर्ति, ट्रस्टी आशा मूर्ति, सचिव आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति मौजूद रहीं।